पुस्तक मेले द्वारा ऋषिचिंतन का विस्तार

रेवाड़ी (हरियाणा)

गायत्री परिवार जिला रेवाड़ी ने रेवाड़ी शहर में दस दिवसीय पुस्तक मेले का आयोजन २२ से ३१ अक्टूबर तक किया। पुस्तक मेले में परम पूज्य गुरुदेव के जीवन सम्बन्धी प्रदर्शनी भी लगाई गयी थी। शांतिकुंज से पहुँचे डॉ. बृजमोहन गौड़ व श्रीयुत् श्रीकृष्ण अग्रवाल ने पुस्तक मेले का उदघाटन किया। १० दिन में एक लाख सत्तर हजार रु. की बिक्री हुई। कुछ पुस्तकें तो कुछ दिन में ही समाप्त हो गईं। प्रतिदिन अलग-अलग विभूतियों को मेले के उदघाटन के लिए आमंत्रित किया गया। इस क्रम में दड़ौली आश्रम से श्री शरणानन्द जी व एक दिन शहर के सभी पत्रकार, अगले दिन मस्जिद के इमाम व इसके बाद गिरजाघर के पादरी भी पधारे। पुस्तक मेले में २०,००० रु. का निशुल्क साहित्य भी बाँटा गया। पुस्तक मेले में दस स्कूलों के विद्यार्थियों व अध्यापकों ने आकर का लाभ लिया। कई स्कूलों ने अपनी लाइब्रेरी के लिए गुरुदेव का साहित्य खरीदा। श्री त्रिभुवन शर्मा मेला प्रमुख थे। श्री बाबूलाल यादव, श्री लाजपत राय कालरा, श्री जितेन्द्र शर्मा, श्री महेन्द्र शर्मा ने दस दिन तक मेले में समयदान किया। विज्ञजनों ने गायत्री परिवार के ज्ञान विस्तार के प्रयास को बहुत सराहा और दोबारा प्रदर्शनी लगाने का अनुरोध किया। ☯

मेले में साहित्य प्रदर्शनी देखते विद्यार्थी

ज्ञानमूलक समाज की धरोहर बन रहा है युगसाहित्य

आश्चर्यजनक उपलब्धि

रादौर (हरियाणा)

४ दिसम्बर को अखण्ड ज्योति संस्थान, मथुरा से रादौर पहुँचा ज्ञानरथ पूरे कस्बे में जन-आकर्षण का केन्द्र रहा। वहाँ मात्र दो दिन में १,८५,००० (एक लाख पचासी हजार रुपये) के वाङ्मय साहित्य की बिक्री बहुत ही उत्साहजनक तथा आश्चर्यजनक थी। स्थानीय प्रिण्ट मीडिया ने तो यह समाचार प्रकाशित किया ही, डी.टीवी, स्टैण्डर्ड वर्ल्ड टीवी तथा जैन टीवी ने भी ज्ञान विस्तार की इस जबरदस्त सफलता को कवरेज दिया।

रादौर के प्रमुख परिजन श्री एन. के.शर्मा के अनुसार डॉ. घनश्याम पाराशर तथा श्री जी.एल वैष्णव की टोली वाङ्मय साहित्य लेकर रादौर पहुँची और दो ही दिन में पूरी खाली होकर लौटी, यहाँ तक कि एक वाङ्मय खण्ड भी उनके पास शेष नहीं बचा। ज्ञानरथ के नगर आगमन पर सर्वश्री सत्यकाम आर्य, प्राचार्य डॉ. सरोज वशिष्ठ, नाथीराम वर्मा, अरविंद रोहिल, महेश अग्रवाल आदि समाज सेवियों ने उसका स्वागत किया। मुकुन्दलाल नेशनल कॉलेज, राज राजेश्वरी सीनियर सेकण्ड्री स्कूल, राजकीय व. मा.विद्यालय, आर्य सामज,स्वर्णकार समाज आदि संस्थाओं ने मुख्य रूप से साहित्य खरीदा।

पी.एन.बी. के सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान में

लखनऊ (उत्तर प्रदेश)

इन्दिरानगर सेक्टर-९ स्थित गायत्री ज्ञान मंदिर के वाङ्मय स्थापना अभियान के अन्तर्गत पंजाब नेशनल बैंक के सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, गोमती नगर के केन्द्रीय पुस्तकालय में युगऋषि वेदमूर्ति तपोनिष्ठ पं. श्रीराम शर्मा आचार्य द्वारा रचित सम्पूर्ण वाङ्मय साहित्य के ७० खण्डों का एक सेट स्थापित हुआ। प्रतिष्ठान के निदेशक श्री अजय कुमार मिश्रा द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ सादे समारोह में वाङ्मय स्थापना हुई। यह साहित्य श्री देवन्द्र कुमार पाठक ने पुस्तकालय को भेंट किया।

इस अवसर पर संस्थान के उप निदेशक श्री अश्विनी कुमार ने साहित्य भेंट करने पर गायत्री परिवार के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। संस्थान के उप प्रबंधक श्री अरुण कुमार श्रीवास्तव ने इसे विश्वकोष स्तर का साहित्य बताया। गायत्री ज्ञान मंदिर के मुख्य प्रबंध ट्रस्टी श्री उमानन्द शर्मा ने युगऋषि के साहित्य की विशेषता पर प्रकाश डाला। ☯

वाङ्मय स्थापना अभियान

जिला स्तरीय व्याख्यान प्रतियोगिता

भीलवाड़ा (राजस्थान) - गायत्री शक्तिपीठ भीलवाड़ा के द्वितीय वार्षिकोत्सव पर आयोजित समारोह में दि. १८ नवम्बर को भीलवाड़ा जिले के विभिन्न महाविद्यालयों में आयोजित 'स्व अनुशासन की आवश्यकता' विषय पर व्याख्यान प्रतियोगिता में प्रथम रहे छात्र-छात्राओं की जिला स्तरीय(उक्त विषय पर)व्याख्यान प्रतियोगिता हुई, जिसमें सुशीला देवी माथुर कन्या महाविद्यालय, भीलवाड़ा की छात्रा कुमारी निष्ठा शर्मा प्रथम रही। प्रतियोगिता में भागीदार सभी प्रतिभागियों, निर्णायक मण्डल के पदाधिकारियों एवं मुख्य अतिथि जिला प्रमुख श्री कन्हैयालाल धाकड़ को युग साहित्य भेंट कर सम्मानित किया गया। ☯

बाल निर्माण के सतत प्रयास

बड़वाह, खरगोन (मध्य प्रदेश)

बड़वाह निवासी सेवा निवृत्त प्राध्यापक एवं स्थानीय शाखा के प्रमुख प्रो. रमेश भारद्वाज बाल निर्माण की दिशा में पिछले सात वर्षों से एक अनूठा, लेकिन सुंदर प्रयोग कर रहे हैं। वे मिडिल स्कूल क्रमांक-१ तथा विवेकानन्द विद्याविहार हाईस्कूल में नियमित साप्ताहिक कक्षाओं का संचालन कर रहें हैं। इन कक्षाओं में नगर पालिका अध्यक्ष, उप पुलिस अधीक्षक, पत्रकार, समाज सेवी, प्राध्यापक, चिकित्सक जैसी विभूतियों को आमंत्रित कर बालोपयोगी जानकारियाँ प्रदान की जाती हैं। संस्कार शाला बच्चों के ज्ञान संवर्धन के साथ उनके समग्र व्यक्तित्व के विकास की दृष्टि से बहुत उपयोगी सिद्ध हो रही है। प्रो. भारद्वाज बच्चों को सेवा, स्वाध्याय, संस्कारों की प्रेरणा नियमित रूप से प्रदान करते रहते हैं। इसके अलावा सामाजिक विभूतियों के सत्संग से बच्चों को भटकाव से बचने की प्रेरणा भी मिलती है। उनके प्रयासों से लगभग ३०० विद्यार्थी लाभान्वित हो रहे हैं। ☯

> *मनुष्य के भावों में प्रबल रचना शक्ति है,*
> *वे अपनी दुनिया आप बसा लेते हैं।*

सम्मानित हुए सृजनवीर

बैंगलोर (कर्नाटक)

युवा प्रकोष्ठ गायत्री परिवार, बैंगलोर के प्रमुख डॉ. अमिताभ सर्राफ को रोटरी क्लब बैंगलोर (साउथ) द्वारा 'यंग साइंटिस्ट ०७' पुरस्कार से सम्मानित किया गया। डॉ. सर्राफ वर्तमान में एरोनॉटिक डेवलपमेण्ट एजेंसी में वरिष्ठ वैज्ञानिक के पद पर कार्यरत हैं। रोटरी क्लब द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में पुरस्कार ग्रहण करते हुए उन्होंने उपस्थित रोटेरियनों को पूरी तरह से भारत में ही बने लाइट कॉम्बेट एअरक्राफ्ट 'तेजस' की वीडियो प्रेजेण्टेशन के साथ जानकारी प्रदान की। इस अवसर पर उन्होंने सामज की विभूतियों को गायत्री परिवार का परिचय देते हुए समस्त मानवता के हित में युग साधना से जुड़ने की प्रेरणा भी प्रदान की। युवा प्रकोष्ठ, बैंगलोर ने समारोह स्थल पर साहित्य स्टॉल लगाकर परम पूज्य गुरुदेव के साहित्य का लाभ रोटेरियनों को दिलाया। उन्होंने इसे बड़ी रुचि के साथ देखा और खरीदा।

हाथरस (उत्तर प्रदेश)

गायत्री परिवार के रचनात्मक आन्दोलन को अपने जीवन एवं शिक्षण पद्धति का आधार बनाकर बाल निर्माण के प्रयासों में जुटे शिक्षक श्री हरस्वरूप शर्मा को वर्ष २००६-०७ का राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान प्राप्त हुआ। जोन मुख्यालय, आँवलखेड़ा ने भी काका स्मृति स्थल, हाथरस पर आयोजित ९ कुण्डीय गायत्री यज्ञ एवं प्रज्ञा पुराण कथा समारोह के अवसर पर अपने परिवार की इस गौरवशाली विभूति का हार्दिक सम्मान किया।

ग्राम लोधई, क्षेत्र सहपऊ निवासी श्री हरस्वरूप शर्मा ने महामहिम श्रीमती प्रतिभा पाटिल से शिक्षक दिवस पर यह राष्ट्रीय सम्मान प्राप्त किया, जबकि हाथरस में जोन प्रभारी श्री लखनलाल मिश्र के संरक्षण में श्री जसवीर सिंह एवं श्री दीनदयाल की टोली द्वारा सम्पन्न यज्ञ समारोह में उन्हें गायत्री परिवार का स्नेह-सम्मान मिला। इस अवसर पर सम्मानित शिक्षक श्री शर्मा जी ने अपने समस्त सहयोगी शिक्षक-परिजनों का आभार व्यक्त किया और नवसृजन की दिशा में उनके द्वारा किये गये कार्यों में पूज्य गुरुदेव की प्रेरणा और आशीर्वाद की चर्चा की। ☯

दिवंगत हुए कर्मठ युगसैनिक

सुल्तानपुर (उत्तर प्रदेश)

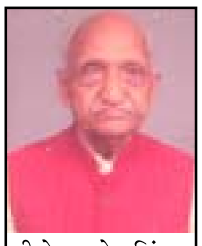

श्री केशव देव सिंघल

परमपूज्य गुरुदेव के आह्वान पर २१ वर्षों तक शांतिकुंज में रहकर बड़े समर्पित भाव से सेवाएँ प्रदान करने वाले श्री केशव देव सिंघल दिनांक २६ नवम्बर २००७ को स्थूल काया त्यागकर गुरुचेतना में विलीन हो गये। श्री सिंघल जी सन् ८० में रहमान खेड़ा, काकोरी, जिला लखनऊ में उत्तर प्रदेश कृषि विभाग के भूमि संरक्षण विभाग में ओवरसियर के पद पर कार्य करते हुए सेवा निवृत्त हुए। आपकी कर्मठता एवं ईमानदारी से प्रभावित विभाग के निदेशक भी उनकी सेवा निवृत्ति पर आयोजित विदाई समारोह में उपस्थित थे। उन्होंने श्री केशव देव जी को एक कमण्डल तथा एक रुद्राक्ष की माला स्मृति स्वरूप भेंट की थी।

श्री के.डी. सिंघल अपनी धर्मपत्नी श्रीमती किरन (मार्च २००३ में स्वर्गवासी हुई) के साथ शांतिकुंज में अपनी सेवाएँ प्रदान करते रहे। जीवन के अंतिम दिन उन्होंने अपने पुत्र मदन मोहन एवं पुत्रवधु श्रीमती शालिनी के साथ सुलतानपुर में बिताये। उनकी पाँचों पुत्रियाँ मेरठ में हैं और गुरु चेतना के विस्तार में भरपूर सहयोग कर रही हैं।

भीलवाड़ा (राजस्थान)

श्री आर.के. वैष्णव

गायत्री परिवार की शाहपुरा शाखा के अत्यंत सक्रिय परिजन श्री राजेन्द्र कुमार वैष्णव का २३ नवम्बर २००७ को सड़क दुर्घटना में आकस्मिक निधन हो गया। उनके पिता श्री कन्हैयालाल वैष्णव सहित सभी परिवारी जन एवं समस्त परिजनों ने पूरे यज्ञीय विधान से अंत्येष्टि संस्कार किया और प्रगतिशील परम्परा से मरणोत्तर संस्कार कराते हुए दिवंगत आत्मा को भावभरी श्रद्धांजलि अर्पित की। उनकी श्रद्धांजलि सभा में कई परिजनों ने मौन मानसिक जप के साथ ९ दिवसीय अनुष्ठान के संकल्प भी लिए। इस अवसर पर स्व. श्री राजेन्द्र कुमार वैष्णव के सहनशील, जिम्मेदार एवं हँसते-हँसते सक्रिय रहने वाले प्रेरणादायी व्यक्तित्व को याद किया गया। उल्लेखनीय है कि उनकी धर्मपत्नी श्रीमती प्रेमदेवी वैष्णव स्थानीय महिला मण्डल की संयोजिका हैं।

सीहोर (मध्य प्रदेश)

श्री रामकिशन जी

सीहोर में सक्रिय एक नैष्ठिक एवं विनम्र स्वयं सेवक श्री रामकिशन पाटिल ३० नवम्बर २००७ को नश्वर देह त्याग गायत्री की सूक्ष्म चेतना में समाहित हो गये। विद्यार्थी जीवन में ही गायत्री परिवार से जुड़े स्व. श्री राम किशन जी पाटीदार जाग्रति संदेश एवं विभिन्न पत्रिकाओं में अग्रलेख-कविताएँ आदि लिखते हुए भी गुरु चेतना का विस्तार करते रहे। कई सरकारी पदों पर लोकप्रिय सेवाएँ देने के बाद वे सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित, शाजापुर में महाप्रबंधक के पद पर रहते हुए ब्रह्मलोक वासी हुए। सहस्राधिक लोगों ने उनकी अंत्येष्टि में उपस्थित रहकर अश्रुपूरित श्रद्धांजलि प्रदान की।

देवास (मध्य प्रदेश)

श्री अंबालाल जोशी

प्रज्ञा मण्डल विजय नगर, देवास के कार्यवाहक श्री अम्बालाल जोशी का २९ नवम्बर २००७ को देहावसान हो गया। वयोवृद्ध श्री जोशी जी देवास के अत्यंत सक्रिय स्वयं सेवक थे। उन्होंने प्रज्ञा मंदिर की स्थापना भी की है।

बरेली (उत्तर प्रदेश)

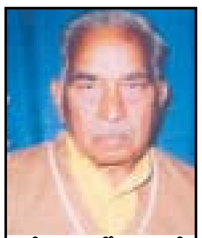

श्री अशर्फीलाल जी

जगतपुर, पुराना शहर, बरेली निवासी समर्पित कार्यकर्ता श्री अशर्फीलाल मिश्र का दिनांक ७ दिसम्बर २००७ को निधन हुआ। स्वर्गीय श्री अशर्फीलाल जी सन् १९६० से ही मिशन से जुड़कर युग चेतना के विस्तार के लिए सतत सक्रिय रहे। उन्होंने अपनी कविता, चित्र प्रदर्शनी तथा ज्ञानरथ से मिशन की भरपूर सेवा की।

जगतपुर, पुराना शहर, बरेली की ही निवासी श्रीमती शीला देवी कनौजिया का देहावसान २५ अगस्त २००७ को हुआ। वे सन १९९० से मिशन की सेवा में सक्रीय रहीं। ◉

जनहितार्थ समर्पित की श्रद्धांजलि

बड़वानी (मध्य प्रदेश)

श्रीमती बीनाबाई

गायत्री परिवार बड़वानी के जिला संयोजक, अंजड़ निवासी श्री महेंद्र भावसार एवं उनके भाई श्री सुनील ने अपनी दादी माँ तथा श्री नटवर लाल भावसार, कोषाध्यक्ष गायत्री शक्तिपीठ, अंजड़ ने अपनी माताजी-९३ वर्षीय श्रीमती बीनाबाई भावसार के निधन पर गायत्री परिवार के विधि-विधान एवं पाँच कुण्डीय यज्ञ के साथ मरणोत्तर संस्कार सम्पन्न कराया। इस अवसर पर उन्होंने एक सौ विद्या विस्तार सेटों की विभिन्न घरों में स्थापना का संकल्प लिया। उन्होंने अपने क्षेत्र की विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के विकास के लिए धनराशि प्रदान कर स्व.श्रीमती बीनाबाई को श्रद्धांजलि प्रदान की। ☯